

# रघुवर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ



## बैठक के बाद बोले बन्ना, ऑल इज वेल...

गठबंधन ने एक जुटता का दिया परिचय, भाजपा पर किया प्रहार, नहीं आ सके चार विधायक

- आज फिर 11 बजे से होगी सताधारी विधायकों की बैठक
- कांगड़ा सीएम के साथ एक जुट है और आगे भी रहेगी : मीर
- अफवाहों के बारे में कुछ नहीं कहना है

### खबर मन्त्र व्यूहों

रांची। मंगलवार को शाम सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में सतारूढ़ गठबंधन के विधायकों को सीएम आवास पर हुई बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्री बना गुला ने कहा कि सबकुछ ठीक है। आल इज वेल। कोई परेशानी नहीं है। जनता ने सीएम हेमंत सोरेन को 5 वर्षों के लिए चुना है। वह हमारे मुख्यमंत्री है और पांच साल तक वह बने रहेंगे। उन्होंने वह भी कहा कि किसी अन्य प्लान पर कोई चर्चा नहीं हुई है। वहीं विधायक प्रदीप यादव ने बैठक के बाद कहा कि इंडिया गठबंधन की बैठक हमने छटानी एकता का परिचय दिया है। बुधवार को भी हम इसी तरह डटे रहेंगे। गठबंधन के सभी साधियों ने हेमंत सोरेन के साथ खड़ा रहने की चाह की। बैठक में 43 विधायक पौजूद हैं। ये बैठक ऐसे समय में हो रही है जब बुधवार को सीएम सोरेन से इंडी की पूछताल होने वाली है। बुधवार को एक बार फिर 11 बजे फिर सतारूढ़ दल की बैठक होगी। बैठक में गठबंधन के तमाम नेताओं ने भाजपा पर जम का हमला बोला। सभी ने एक स्वर में कहा कि भाजपा राज्य को अस्थिर करने की सामिज़ानी से बाज आये। बैठक में चार विधायक नहीं पहुंचे: ज्ञामुगो के दो विधायक सीधा सोरेन और रामदास सोरेन इलाज के सिलसिले में दिल्ली में हैं। वहीं ज्ञामुगो विधायक चमरा ने एक स्वर में कहा कि भाजपा राज्य को अस्थिर करने की सामिज़ानी से बाज आये। उन्होंने कहा कि विहार के साथ संस्कारी को इन्होंने जो समान दिया वह एक संस्कारी का गोरख नहीं, अपेक्षा पूरे भारत का गोरख है।

### हमें नीतीश कुमार की जस्ती नहीं : राहुल गांधी

### पटना

### जस्ती नहीं : राहुल गांधी

</









डॉ लोहिया स्कूल उनेड़ना

पिटोरिया। डॉवटर राम मनोहर लोहिया लास टू उच्च विद्यालय उमेड़ना में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह में 10वीं और 12वीं के छात्रों को विदाई दी गई। प्रभारी प्रधानाधार्य अमरद्रुत कुमार ने अपने संबोधन में कहा था कि छात्र पूरी मेहनत के साथ मैट्रिक और इंटर की परीक्षा लिये। मेरी भावना है कि अच्छे अंकों के साथ में उत्तीर्ण होकर अपने जीवन लक्ष्य की प्राप्ति पथ पर अग्रसर हों। इस मौके पर छात्रों के द्वारा रागरंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। इस कार्यक्रम में सहायक शिक्षक सीरीज एवं कार्यक्रम की वापसी दी गई।

### स्व जगदीश महतो स्मृति खेलकूद प्रतियोगिता 18 फरवरी से

दाकुरांग। ख जगदीश महतो स्मृति खेलकूद प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर उत्तरगुरु बाजाराठड़ में मोनोज कुमार महतो की आयोजना में बैठक आयोजित की गई। 18 फरवरी से प्रतियोगिता आयोजित करने की नियंत्रित लिया गया। सफल आयोजन के लिए कमेटी का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष कृष्ण महतो, सचिव हरप्रसाद महतो, कांगड़ाधार्यक्ष विजय कुमार महतो, उपाध्यक्ष कैलाश पांडेय साहित कार्यकारिणी सदस्यों का घटना किया गया। भौतिक शहदेव, भोलांग शहदेव, राजकिंशर महतो, अनंत शहदेव, अनिल महतो आदि मौजूद थे।

### शपथ पत्र

  
 1. अभियोक कुमार गिरि (बच्चे का नाम) आपके विद्यालय में प्रवाप हो गया है और प्रवेश के समय, बच्चे की जन्मिति 24-12-2009 गलती से अंकित हो गई थी।  
 2. हमने अब 24-12-2009 के रिकॉर्ड में हुए गलती को सुधार लिया है और सम्बन्ध में हमने जन्म प्राप्ति पत्र संख्या 12 की एक प्रति प्रदान की है जिसे 05-07-2008 को अद्यतन किया गया था यह सही नियंत्रित है।  
 3. पंचांग सेवक (जारीकर्ता अधिकारी) ने भी 05-07-2008 को अपने लिखित आदेश (सभी जन्मपत्रियां जारी करने की जन्मिति) द्वारा इसे मंजूरी दी है।  
 4. यह कथन हमारी जानकारी के अनुसार सही और सत्य है और कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य नहीं गया है। यदि मेरे द्वारा दिया गया वर्णन गलत या गलत पाया गया तो हम स्कूल की पहचान करें। हम उपरोक्त सामग्री का सत्यापन करते हैं, जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विवास के अनुसार सत्य और सही है।

### शपथ पत्र

  
 नंदिनी पवित्र, बेटे मु. नेहरात। में धनजय महतो पिता- स्व. ठाकुर महतो, उम्र लगभग 20 वर्ष, निवास ग्राम- चपरी, चपरी, थाना-नावाड़ी, जिला-बोकारो झारखण्ड का निवासी है।  
 3- यह कि मेरे आदार कार्ड नं.- 6610 3783 2709 है, जिसमें मेरा नाम धनजय महतो है।  
 4- यह कि इसके पूर्व आधार कार्ड नं.- 6610 3783 2709 में ही मेरा नाम धनजय कुमार महतो दर्ज है। जिसमें अपना नाम सुधार कर मैं धनजय महतो किया हूं।

5- यह कि मैं अब नये आधार कार्ड नं.- 6610 3783 2709 में सभी संस्थानों में सरकारी गति तथा मुक्ति धनजय महतो के नाम से जाना जाएगा।  
 6- यह कि मैं यह शपथ पत्र मैं अपना नाम धनजय महतो जानने से संबंधित है।

सत्यापन  
मैं धनजय महतो यह सत्यापित करता हूं कि शाश्वत पत्र मैं वर्तित सभी तथ्य सही सत्य एवं दुर्स्थित है। वर्णन पढ़ कर देख लिया था समझ कर तथा ठीक लिया पाया गया। अपने आदार कार्ड नं.- 25.01.2024 को अपना हस्ताक्षर/अंगूठा का निशान बनाया।

## सरना स्थल की तीन बार करायी परिक्रमा और पवित्र जल पिलाकर की वापसी एक ही परिवार के चार लोग इसाई धर्म छोड़ सरना धर्म में वापस आये।

12 पड़ा इटकी ने सरना स्थल में किया कार्यक्रम का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता



सरना धर्म में वापसी करने वाले एक ही परिवार के चार सदस्य।

इटकी। इटकी के एक ही परिवार के चार सदस्यों ने इसाई धर्म छोड़ कर पूरे विधि-विधान के साथ सरना धर्म अपनाकर घर वापसी किया है।

12 पड़ा इटकी के तत्वावाद में मंगलवार को झंखरा टॉड शिथ सरना स्थल में एक कार्यक्रम का आयोजित कर रहे।

सरना स्थल में एक कार्यक्रम आयोजित कर रहे।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।

परिवार के चार लोगों के बारे में जानकारी दी गई।





# इस बजट में मोदी की गारंटी छाए रहने की संभावना

एडी बाध्या

सरकार के आम चुनाव से पहले पेश किए जाने वाले बजट में मोदी की गारंटी की छाप रहने की संभावना है। इस अंतरिम बजट में मध्यम वर्ग, किसानों और अंसंगठित क्षेत्र के श्रमिकों समेत मतदाताओं के बड़े वर्ग को अकार्पित करने के लिए लोकलभाव योजनाएं पेश की जा सकती हैं। यह बात पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने रविवार को कही। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार इस गारंटी को पूरा करने के लिए अगर जरूरत हुई, तो राजकोषीय घटाए लक्ष्य को लेकर थोड़ी रियायत भी ले सकती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में एक फरवरी को वित्त वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करेंगी। यह उक्ता लगातार छठा बजट होगा। गर्ग ने कहा, वास्तव में, लोकभाव चुनाव से पहले पेश होने वाला अंतरिम बजट, सत्ता में मौजूद पार्टी के लिए मुफ्त एवं लोकलभाव योजनाओं के जरूरी मतदाताओं को आकर्पित करने का एक पौक्का होता है। वर्ष 2019 में आम चुनाव से पहले पेश अंतरिम बजट में भी हम ऐसा होते हुए देख चुके हैं।

उन्होंने कहा, सरकार ने 2019 में मध्यम वर्ग, किसानों और अंसंगठित क्षेत्र के श्रमिकों द्वारा लक्षित किया था। कुल मिलाकर ये लगभग 75 करोड़ मतदाता हैं। ऐसी सभावना है कि सरकार इस बार भी इन मतदाताओं का खास ध्यान रखेगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोवर्दन ने मध्यम वर्ग को आकर्पित करने के लिए पांच लाख रुपये तक की कर-योग्य आय को आयकर से छूट दी थी। साथ ही प्रधानमंत्री किसान समाज निवारी के तहत 12 करोड़ किसानों को सालाना 6,000 रुपये नकद भी उपलब्ध कराने की घोषणा की। इसके अलावा, अंसंगठित क्षेत्र (पोएम श्रम योगी मनवधन - एसवाइएम) से जुड़े 50 करोड़ श्रमिकों को सेवानिवृत्ति पेंशन में सरकारी योगदान का भी प्रस्ताव किया गया था।



कुल मिलाकर मोदी की गारंटी की छाप इस बारे के अंतरिम बजट में भी देखने को मिल सकती है। प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान कहा, द्वादशरकार ने राजकोषीय घटा 17.9 लाख करोड़ रुपये वानी 5.9 प्रतिशत रखने का अनुमान रखा रहा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए। यह बजट में एपीजी गैस सिलेंडर, गोरी महिलाओं को 1,250 रुपये का नकद हस्तातण, 21 साल की उम्र की तक गरीब लड़कियों को दो लाख रुपये आदि की घोषणाएं शामिल हैं और इन्हें मोदी की गारंटी का नाम दिया गया। पूर्व वित्त सचिव ने कहा, अंसंगठित क्षेत्र में बेरोजगारी और वेतन कटौती को लेकर काफी संकट है। केंद्र सरकार के पास अंसंगठित क्षेत्र के 30 करोड़ श्रमिकों का अंकड़ा है। वित्त मंत्री इन श्रमिकों को आकर्पित करने के लिए कुछ घोषणाएं कर सकती हैं। इनमें सालाना कुछ नकद राशि देने की घोषणा की जा सकती है।

उल्लेखनीय है कि विद्वान् सरकार ने हाल ही में 6,000 रुपये प्रति माह से कम आय वाले 94 लाख गरीब परिवर्तों को दो लाख रुपये देने की घोषणा की घटे में 0.75 प्रतिशत रख सकती है। ऐसे में राजकोषीय

प्रत्यक्ष रूप से वित्तीय सहायता दिये जाने की संभावना है। इन घोषणाओं से राजकोषीय घटे की स्थिति पर पड़ने वाले सवाल के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, द्वादशरकार ने राजकोषीय घटा 17.9 लाख करोड़ रुपये वानी 5.9 प्रतिशत रखने का अनुमान रखा है। यह बजट में अनुमान सकल घेरू उत्पाद के 301.8 लाख करोड़ रुपये के अनुमान पर असंतुष्टि था।

2023-24 के पहले अधिकार अनुमान में छठा 296.6 लाख करोड़ रुपये रहने पर यह छठ प्रतिशत वानी 17.8 लाख करोड़ रुपये बनता है। यह बजट में तय लक्ष्य के लगभग बराबर है। उन्होंने कहा, द्वादशरकार ने राजकोषीय घटे को वित्त वर्ष 2025-26 तक 4.5 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा है। वानी वर्षमान के छठ प्रतिशत की तुलना में इसमें 1.5 प्रतिशत की कमी लानी होगी।

गर्ग ने इस बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, सरकार बाजार मूल्य पर 10.5 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि के साथ 2024-25 में जीडीपी का अनुमान 327.7 लाख करोड़ रुपये रख सकती है। ऐसे में राजकोषीय घटे में 0.75 प्रतिशत कटौती करने का मतलब है कि

वित्त में 2.5 लाख करोड़ रुपये की कमी करनी होगी। यह मुश्किल लगता है। दूसरी तरफ सरकार की लोकलभाव योजनाओं पर भी खर्च होने की संभावना है।

यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या हमें गारंटी की गारंटी पर होने वाले व्यवहार के चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाएगा या फिर कर राजस्व, गैर-कर और विनिवेश प्रणिती के अनुमान को बढ़ाया जाएगा। सबसे अधिक संभावना यह है कि अंतरिम बजट आसन्न लोकसभा चुनावों की जरूरतों के अनुरूप होगा। राजकोषीय मजबूती के लिए इंतजार किया जा सकता है।

राजस्व मोर्चे पर स्थिति के बारे में पूछे जाने पर गर्ग ने कहा, आयकर संग्रह बजट अनुमान से कहीं बेहतर होगा। जीडीपी सिलेंडर, गोरी महिलाओं की घोषणाएं शामिल हैं और उत्पाद शुल्क का प्रदर्शन जरूर लक्ष्य रहा है। लेकिन फ़इक (भारतीय रिजर्व बैंक) और ठरव (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम) से अधिक लाभांश आने के कारण गैर-कर और राजस्व बजट अनुमान से अधिक होगा। विनिवेश आय ने काफी नियाय किया है। कुल मिलाकर, अंतरिम वित्त की संभावना यह है कि अंतरिम बजट आसन्न लोकसभा चुनावों की जरूरतों के अनुरूप होगा। राजकोषीय मजबूती के लिए इंतजार किया जा सकता है।

सुत्रों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में आयकर और कॉर्पोरेट कर संग्रह में उत्तम दिख रहा है। इससे कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह बजट अनुमान से लगभग एक लाख करोड़ रुपये अधिक रह सकता है। सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष करों से 18.23 लाख करोड़ रुपये जुड़ने का बजट लक्ष्य रखा था। इस मद में 10 जनवरी, 2024 तक कर संग्रह 14.70 लाख करोड़ रुपये हो चुका था, जो बजट अनुमान का 81 प्रतिशत है। अभी वित्त वर्ष पूरा होने में दो महीने से अधिक का समय बाकी है। वर्षीय शुल्क के मोर्चे पर केंद्रीय जीडीपी राजस्व 8.1 लाख करोड़ रुपये के बजट अनुमान से लगभग 10,000 करोड़ रुपये अधिक होने की उमीद है। हालांकि, उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क संग्रह में करीब

करदाताओं को वित्त मंत्री से टैक्स में अधिकतम छूट की उमीद

इस बार के बजट से हैं ये अपेक्षाएं

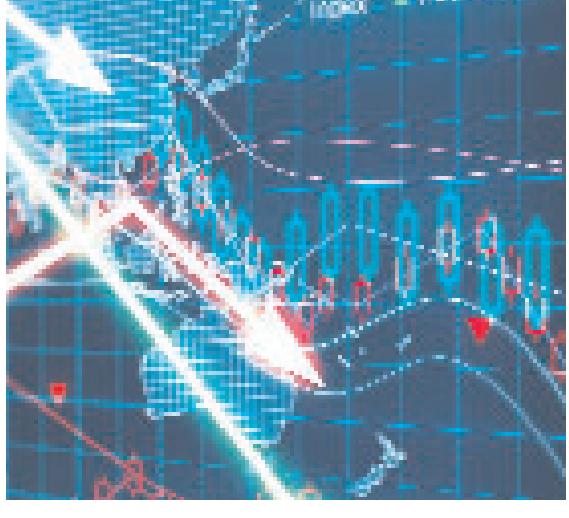
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 01 फरवरी 2024 को अंतरिम बजट पेश करेगी। इस दौरान होने वाले बदलावों पर विभिन्न संकरणों की नजर बनी हुई है। करदाताओं को इस बारे में भी वित्त मंत्री से राहत की उमीद है। आइए जानें हैं बजट में होने वाले किन बदलावों पर करदाताओं की नजर बनी हुई है।

मूल छूट सीमा में वृद्धि

सरकार ने बजट 2023 में कई राहत भरे एलान किए थे। इसके बावजूद इस साल भी यह उमीद की जा रही है कि दोनों टैक्स रिजीम (नए और पुराने) के तहत वित्त मंत्री इस बारे में भी बुनियादी छूट की सीमा (इंटर्नेशनल छूल्ल छेंडे) को कम से कम 50,000 रुपये तक बढ़ावा देंगे। बुनियादी छूट सीमा में बढ़ोत्तरी से सभी करदाताओं की उमीद बढ़ावा देंगी।

राष्ट्रीय पेंशन योजना में अंशदान के लिए होने वाली कटौती में समानता

वर्तमान में किसी अधिकसूचित पेंशन योजना (जैसे ठड़र) में एक कर्मचारी को वित्तीय वर्ष के दौरान किए गए पूरे योगदान पर टैक्स कटौती में छूट की अनुमति दी जाती है। केंद्र या सञ्च सरकार के कर्मचारियों की ओर से इस मद में 14 प्रतिशत के योगदान का



प्रावधान है जबकि अन्य कर्मचारियों के मामले में वह सीमा 10% है। इस तरह सरकार और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों की कटौती वर्ष में असमानता है। इस बारे के बजट से करदाता उमीद कर रहे हैं कि सरकारी और निजी दोनों ही क्षेत्रों के कर्मचारियों को पेंशन योजना में 14 प्रतिशत मिले, ताकि उन्हें आयकर में बराबर छूट मिल सके।

स्टैंडर्ड डिडिक्शन में इंडिया

मौजूदा आयकर प्रावधान के तहत पुरानी और सरलीकृत नई कर व्यवस्था के तहत वेतनभोगी करदाताओं को 50,000 रुपये की अनुमति है। जीवन यात्रा में वृद्धि को देखते हुए करदाताओं की अपेक्षा है कि सरकार वेतनभोगी कर्मचारियों के मानवीय वित्तीय विकास के लिए मानक कटौती की सीमा 50,000 रुपये से बढ़ाकर 1,00,000 रुपये करने पर विचार करे।

बैंगलुरू, हैदराबाद और पुणे भी मेट्रो शहरों में शामिल होंगे। एचआरए भारत में टैक्स के लिए वित्तीय विकास के लिए एचआरए छूट की गणना का आधार मूल वेतन का 50% होता है। वर्षीय वित्तीय विकास के लिए एचआरए छूट की गणना का आधार मूल वेतन का 50% होता है। इसके बाद वित्तीय विकास के लिए एचआरए छूट की गणना का आधार मूल वेतन का 40% होता है। इसके बाद वित्तीय विकास के लिए एचआरए छूट की गणना का आधार मूल वेतन का 40% होता है। इसके बाद वित्तीय विकास के लिए एचआरए छूट की गणना का आधार मूल वेतन का 40% होता है। इसके बाद वित्त







